बाल विज्ञान पत्रिका मई 2010

चकमक

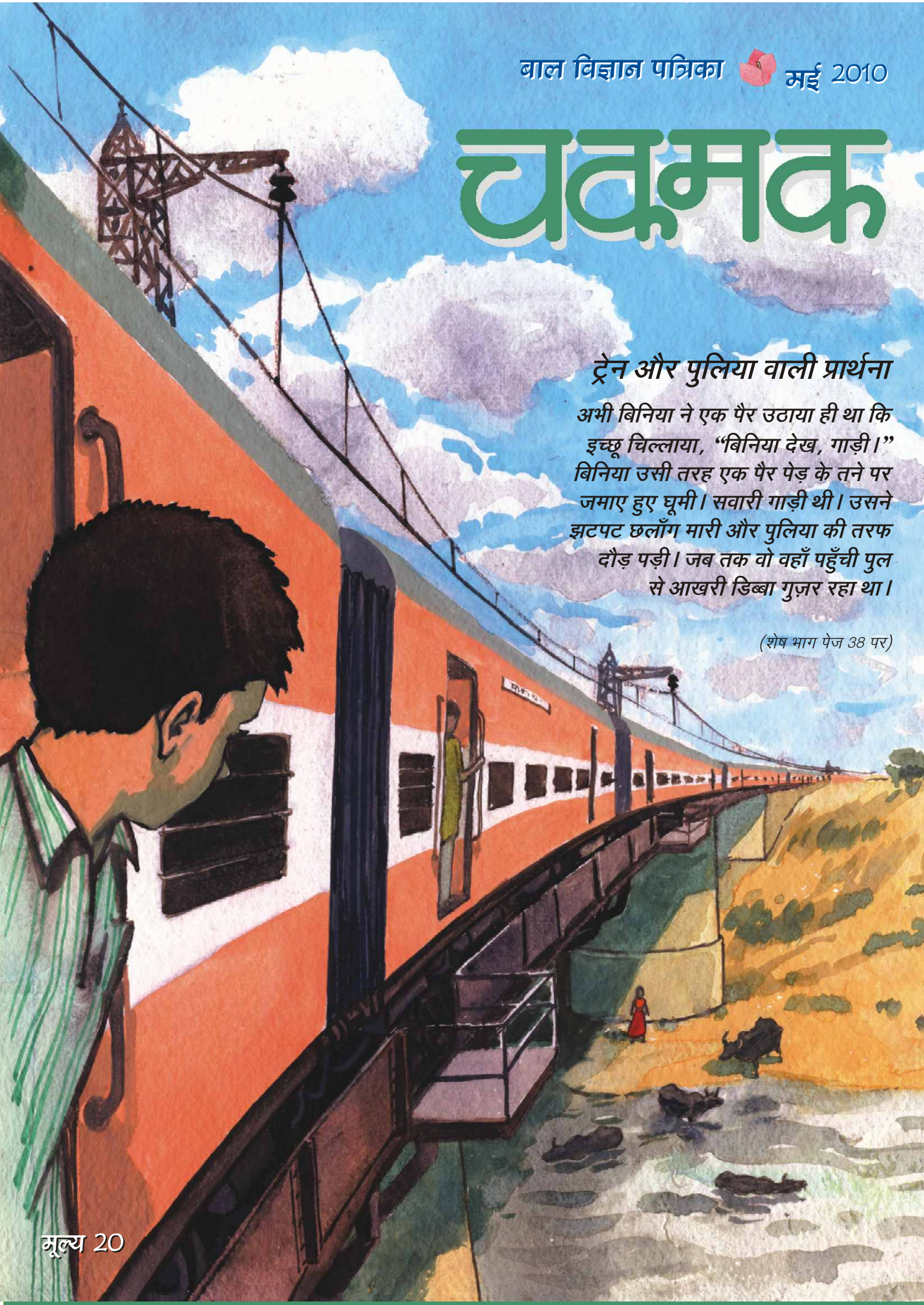

ट्रेन और पुलिया वाली प्रार्थना

अभी बिनिया ने एक पैर उठाया ही था कि इच्छू चिल्लाया, "बिनिया देख, गाड़ी।" बिनिया उसी तरह एक पैर पेड़ के तने पर जमाए हुए घूमी। सवारी गाड़ी थी। उसने झटपट छलाँग मारी और पुलिया की तरफ दौड़ पड़ी। जब तक वो वहाँ पहुँची पुल से आखरी डिब्बा गुज़र रहा था।

(शेष भाग पेज 38 पर)

मूल्य 20